

Padma Shri



SHRI ROMALO RAM

Shri Romalo Ram is a Dogri Folk Artist of Jammu Region and is known as the real founder of Dogri Folk Song Geetru who revived the dying Folk Form “Geetru and Bhakh” with his dedication and hard work.

2. Born on 3rd March 1963, Shri Ram received his Bachelor of Arts degree in 1985 from the University of Jammu. After graduation, he joined as a Government Teacher in 1987 and also started writing Dogri Poems and Folk Songs. He served almost in the remote areas for the better education particularly of the village students. He retired as ZEO Ramnagar in March, 2023.

3. Shri Ram started performing Dogri folk in 1980-81 under the banner “Romalo Ram and Party” by participating in local functions. He served across the Jammu Region for so long and started a new revolution by the name of “Mission Maa Dogri”. His “Mission Maa Dogri” Model has become the foundation for the huge success of young aspirants of the region. More than 150 pupils are working and learning the traditional art.

4. Shri Ram published a book named as “Geetruyen Di Fouhar”. His works were published in various newspapers such as Dogri Times, Daily Excelsior, State Times, Amar Ujala, Dainik Jagran, The Earth News, The News Now etc. His contribution in the form of Cassettes, Records and published articles is the proof of his excellence in the field. He was approved as a B-grade artist in all India radio (AIR) Jammu in 1988 and in 1995 was given a B-high grade status. He acted as a member of General Council Committee of JKAACL to represent Dogri folk music and remained the active member of Advisory Sub Committee for folk music nominated by Jammu and Kashmir Academy of art culture and languages. He acted as brand ambassador of SVEEP program of district Udhampur and Reasi in Lok Sabha and Legislative Assembly Election 2014.

5. Shri Ram is the recipient of numerous awards and honours. He has been conferred honorary "Gold Medal" in the Folk Song Competition in National Youth Festival, 1999 in Lucknow, UP. The UT Government conferred on him “State Award” for his pioneering role in performing Arts of J&K in 2022. JK Sopori Academy of Music and Performing Arts at New Delhi honoured him by “Samapanund Rishi Samman” in 2018. Doordarshan Jammu and Montage film industry felicitated him by “Virasat Shri” in Jashan-a-Virasat, 2013. He received Certificate of appreciations from various government agencies for different cultural participations. He received Lok Kala Rattan Purashkar, 2019 in Akhil Bhartiva Lok Kala Mahotsav organised by Karnataka Sahasa Kala Academy. In 2017, he was honoured by Shri Mata Vaishno Devi Shrine Board and J&K Tourism Department at Katra in Navratra Festival.

पदम श्री



श्री रमालो राम

श्री रमालो राम जम्मू क्षेत्र के डोगरी लोक कलाकार हैं। उन्हें डोगरी लोक गीत गीतरु का वास्तविक संस्थापक माना जाता है। उन्होंने अपनी लगन और कड़ी मेहनत से विलुप्त हो रहे लोक गीत "गीतरु और भाख" को पुनर्जीवित किया है।

2. श्री राम का जन्म 3 मार्च, 1963 को हुआ। उन्होंने 1985 में जम्मू विश्वविद्यालय से कला स्नातक की उपाधि प्राप्त की। स्नातक करने के बाद, वह 1987 में एक सरकारी शिक्षक बने तथा डोगरी कविता और लोक गीत भी लिखने शुरू किए। उन्होंने विशेष रूप से ग्रामीण छात्रों को उत्तम शिक्षा प्रदान करने के लिए सुदूर क्षेत्रों में कार्य किया। वह मार्च, 2023 में जेड.ई.ओ. रामनगर के पद से सेवानिवृत्त हुए।

3. श्री राम ने 1980-81 में "रोमालो राम एंड पार्टी" के बैनर तले स्थानीय समारोहों में भाग लेकर डोगरी लोक प्रदर्शन करना शुरू किया। उन्होंने लंबे समय तक जम्मू क्षेत्र में सेवा की और "मिशन माँ डोगरी" के नाम से एक नया अभियान शुरू किया। उनका "मिशन माँ डोगरी" मॉडल, क्षेत्र के युवा कलाकारों की व्यापक सफलता की नींव बन गया है। उनके 150 से अधिक छात्र पारंपरिक कला पर काम कर रहे हैं और सीख रहे हैं।

4. श्री राम ने "गीतरुएं दी फौहार" नामक पुस्तक प्रकाशित की। उनकी रचनाएँ विभिन्न समाचार पत्रों डोगरी टाइम्स, डेली एक्सप्रेस, स्टेट टाइम्स, अमर उजाला, दैनिक जागरण, द अर्थ न्यूज, द न्यूज नाऊ, आदि में प्रकाशित हुईं। कैसेट, रिकॉर्ड और प्रकाशित लेखों के रूप में उनका योगदान इस क्षेत्र में उनकी उत्कृष्ट प्रतिभा का प्रमाण है। उन्हें 1988 में आकाशवाणी, जम्मू का बी-ग्रेड कलाकार और 1995 में बी-हाई ग्रेड जम्मू घोषित किया गया। उन्होंने डोगरी लोक संगीत के प्रतिनिधि के रूप में जे.के.ए.ए.सी.एल. की महापरिषद समिति के सदस्य के रूप में कार्य किया तथा जम्मू और कश्मीर कला, संस्कृति एवं भाषा अकादमी द्वारा लोक संगीत के लिए परामर्शदात्री उप समिति में नामित किए जाने पर इसके सक्रिय सदस्य रहे। उन्होंने 2014 के लोक सभा और विधान सभा चुनाव में उधमपुर और रियासी जिलों के एस.वी.ई.ई.पी. कार्यक्रम के ब्रांड एंबेसडर के रूप में काम किया।

5. श्री राम को अनेक पुरस्कार और सम्मान प्राप्त हुए हैं। उन्हें लखनऊ, उत्तर प्रदेश में आयोजित राष्ट्रीय युवा महोत्सव, 1999 में लोक गीत प्रतियोगिता में मानद स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया। संघ राज्य क्षेत्र सरकार ने 2022 में जम्मू और कश्मीर की प्रदर्शन में उनकी अग्रणी भूमिका के लिए "राज्य पुरस्कार" प्रदान किया। जे.के. सोपोरी एकेडमी ऑफ म्यूजिक एंड परफॉर्मिंग आर्ट्स, नई दिल्ली ने उन्हें 2018 में "समपानंद ऋषि सम्मान" प्रदान किया। दूरदर्शन जम्मू और मॉटेज फिल्म इंडस्ट्री ने उन्हें जश्न-ए-विरासत, 2013 में "विरासत श्री" से सम्मानित किया। उन्हें सांस्कृतिक कार्यक्रमों के लिए विभिन्न सरकारी एजेंसियों से प्रशंसा-पत्र प्राप्त हुए हैं। कर्नाटक सहसा कला अकादमी द्वारा आयोजित अखिल भारतीय लोक कला महोत्सव में उन्हें लोक कला पुरस्कार, 2019 प्रदान किया गया। 2017 में, उन्हें नवरात्र उत्सव में श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड तथा जम्मू और कश्मीर पर्यटन विभाग द्वारा कटरा में सम्मानित किया गया था।